UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 5 मम विद्यालयः (दीर्घसन्धिः गुणसन्धिश्च)

शब्दार्थाः –

कति = कितने,
समीचीनम् = बहुत अच्छा,
क्रीडाङ्गम = खेल का मैदान,
संगणककक्षः = कम्प्यूटर कक्ष,
नूतनानि = नयी,
स्यूतः = स्कूल बैग,
पादत्राणं = जूता,
पादकोशः = मोजा।
पाकशाला = रसोईघर,
आत्मानम् = अपने को,
एवं विद्याः = इस प्रकार के,
ते = तुम्हारे,
वर्धयन्ति = बढ़ाते हैं।

उषाः- चेतने!.....भवन्ति।
हिंदी अनुवाद – उषा – चेतना! तुम्हारा विद्यालय कहाँ है?
चेतना – मेरा विद्यालय यहीं नगर में है। वहाँ एक सुन्दर पुस्तकालय और खेल का एक विशाल मैदान है।
उषा – अच्छा! तुम्हारे विद्यालय के पुस्तकालय में कैसी पुस्तकें हैं?
चेतनां – मेरे विद्यालय के पुस्तकालय में विविध विषयों की पुस्तकें हैं।
उषा – ठीक है! तुम्हारे विद्यालय में कितने शिक्षक हैं?
चेतना – मेरे विद्यालय में पाँच शिक्षक हैं। वे सब महर्षितुल्य, कर्तव्यपरायण और शिष्यवत्सल हैं।
उषा – क्या वहाँ विद्यालय में उद्यान भी हैं?
चेतना – मेरे विद्यालय में एक सुन्दर उद्यान है, जिसके मनोहर फूल खिलते हैं?
उषा – तुम्हारे विद्यालय में और क्या है?
चेतना – मेरे विद्यालय में संगणक कक्ष भी है।
उषा – ठीक है! तुम्हारे वस्त्र तो नये दिख रहे हैं। कहाँ से लिये है?
चेतना – क्या तुम नहीं जानती हो कि मेरे विद्यालय में सब छात्रों को निःशुल्क पुस्तक, स्यूत, जूते, और वस्त्र दिये जाते हैं।
उषा – तो बहुत अच्छा। ऐसा सुना जाता है कि तुम्हारे विद्यालय में दोपहर का भोजन भी मिलता है? ।
चेतना – तुमने सत्य कहा है। मेरे विद्यालय में प्रतिदिन निःशुल्क भोजन मिलता है इसके लिए एक रसोई है। वहाँ धनेश्वरी, सुशीला और किशोरी-चेति तिस्त्राः भोजन निर्माण कुर्वन्ति।
उषा – बहुत बढ़िया! जो तुम्हारे विद्यालय उत्तम है।

https://www.evidyarthi.in/

चेतना – हाँ! निश्चित रूप से मेरा विद्यालये उत्तम है। मेरे विद्यालय का परीक्षाफल प्रतिवर्ष श्रेष्ठ होता है। वहाँ पढ़कर मैं अपने आप पर गर्व अनुभव करता हूँ।
उषा – सच! ऐसे विद्यालय ही देश का गौरव बढ़ाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/